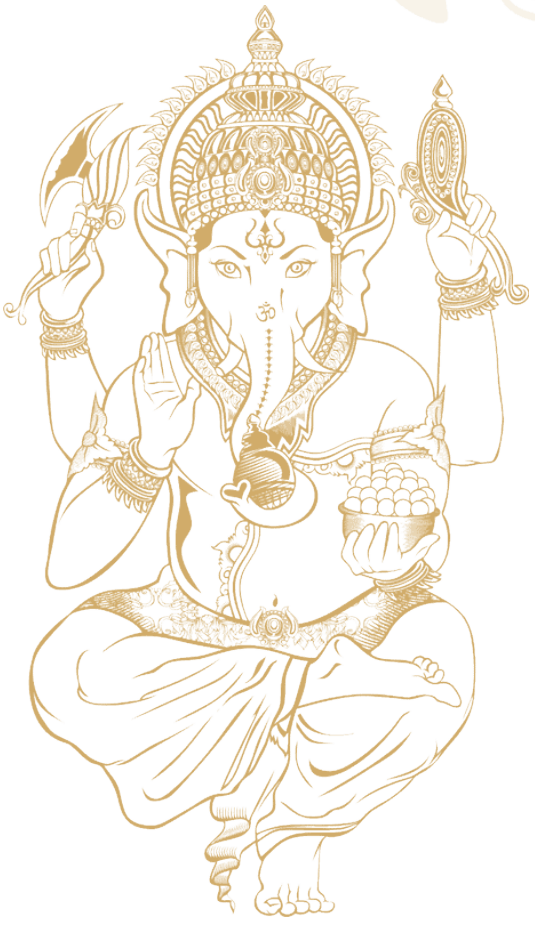

# Dhaval Agarwal

# Priyanka

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121459004

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 4-05/01/2000 | जन्म तिथि | 12-13/06/1998 |
| मंगल-बुधवार | दिन | शुक्र-शनिवार |
| घंटे 05:00:00 | जन्म समय | 05:05:00 घंटे |
| घटी 54:17:32 | जन्म समय(घटी) | 57:51:02 घटी |
| India | देश | India |
| Surat | स्थान | Hissar |
| 21:10:00 उत्तर | अक्षांश | 29:10:00 उत्तर |
| 72:50:00 पूर्व | रेखांश | 75:45:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:38:40 | स्थानिक संस्कार | -00:27:00 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 07:16:59 | सूर्योदय | 05:27:28 |
| 18:09:47 | सूर्यास्त | 19:26:10 |
| 23:51:12 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:50:00 |

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| केतु 6वर्ष 7मा 3दि | | 17:48:28 | वृश्चि | लग्न | वृष | 21:27:44 | सूर्य 3वर्ष 9मा 26दि | |
| शुक्र | | 20:03:46 | धनु | सूर्य | वृष | 27:57:10 | राहु | |
| 08/08/2006 | | 00:46:41 | धनु | चंद्र | मक | 01:30:09 | 10/04/2019 | |
| 08/08/2026 | | 06:48:31 | कुंभ | मंगल | वृष | 20:07:09 | 09/04/2037 | |
| शुक्र | 08/12/2009 | 13:29:01 | धनु | बुध | मिथु | 01:17:36 | राहु | 21/12/2021 |
| सूर्य | 08/12/2010 | 01:33:43 | मेष | गुरु | मीन | 02:18:13 | गुरु | 15/05/2024 |
| चन्द्र | 08/08/2012 | 11:55:32 | वृश्चि | शुक्र | मेष | 22:32:35 | शनि | 22/03/2027 |
| मंगल | 08/10/2013 | 16:29:02 | मेष व | शनि | मेष | 06:31:36 | बुध | 09/10/2029 |
| राहु | 08/10/2016 | 09:53:08 | कर्क व | राहु व | सिंह | 10:12:26 | केतु | 27/10/2030 |
| गुरु | 09/06/2019 | 09:53:08 | मक व | केतु व | कुंभ | 10:12:26 | शुक्र | 27/10/2033 |
| शनि | 08/08/2022 | 21:08:01 | मक | हर्ष व | मक | 18:38:02 | सूर्य | 21/09/2034 |
| बुध | 08/06/2025 | 09:27:53 | मक | नेप व | मक | 07:55:58 | चन्द्र | 22/03/2036 |
| केतु | 08/08/2026 | 17:43:19 | वृश्चि | प्लूटो व | वृश्चि | 12:26:14 | मंगल | 09/04/2037 |

## लग्न-चलित

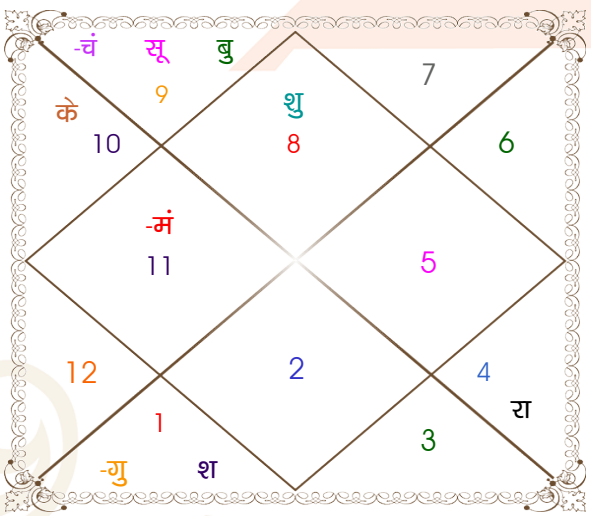


## लग्न-चलित

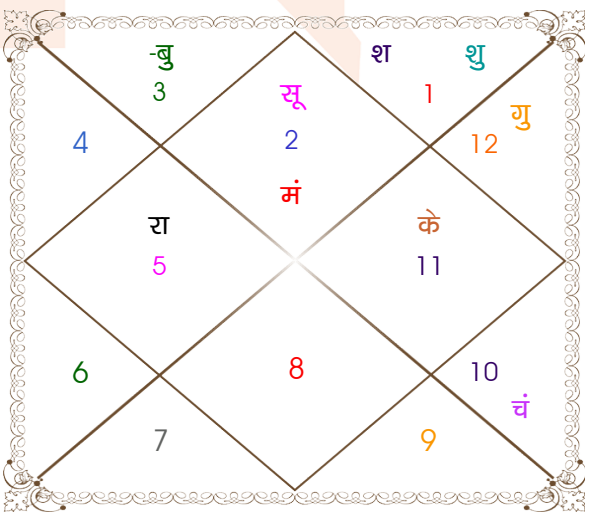

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | वैश्य | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | मानव | चतुष्पाद | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | मित्र | विपत | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | श्वान | नकुल | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | गुरु | शनि | 5 | 3.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | राक्षस | मनुष्य | 6 | 0.00 | हाँ | सामाजिकता |
| भकूट | धनु | मकर | 7 | 0.00 | हाँ | जीवन शैली |
| नाड़ी | आद्य | अन्त्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 16.50 | | |

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

कींअंस ।हंतूंस का वर्ग मृग है तथा च्तपलंदां का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार कींअंस ।हंतूंस और च्तपलंदां का मिलान ठीक नहीं है।

## मंगलीक दोष मिलान

कींअंस ।हंतूंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

च्तपलंदां मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।**
**तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।**

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु च्तपलंदां कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों

में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि वींअंस ।हंतूंस कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

वींअंस ।हंतूंस तथा च्तपलंदां में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।